CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

CBSE 2026-27

हिंदी पाठ्यक्रम 'अ' (Hindi Course A)

Subject Code: 002 | कक्षा दसवीं (Class X)

अंक योजना – प्रतिदर्श प्रश्न पत्र – सेट 5

समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश

1. यह अंक योजना केवल मूल्य-बिंदु एवं अंक-विभाजन देती है; प्रश्न संबंधित नमूना प्रश्न पत्र (SQP) में दिए गए हैं।
2. उत्तर-पुस्तिका के मूल्यांकन में उपयुक्त एवं सही वैकल्पिक उत्तरों को भी उचित अंक दिए जाएँ।
3. भाषा की शुद्धता, शब्द-सीमा तथा प्रस्तुति का ध्यान रखा जाए।

परीक्षा प्रारूप

खंड	प्रश्न का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	प्रति प्रश्न अंक	कुल अंक
क	अपठित बोध — अपठित गद्यांश एवं अपठित काव्यांश (प्रत्येक में 3 बहुविकल्पीय ×1 + 2 लघु उत्तरीय ×2)	2	7	14
ख	व्यावहारिक व्याकरण — वाक्य भेद, वाच्य, पद परिचय, अलंकार (प्रत्येक में 5 में से 4 अति लघु उत्तरीय ×1)	4	4	16
ग	क्षितिज-2 पठित गद्यांश (5 बहुविकल्पीय प्रश्न ×1)	1	5	5
ग	क्षितिज-2 गद्य खंड — लघु उत्तरीय (4 में से 3 ×2; 25-30 शब्द)	1	6	6
ग	क्षितिज-2 पठित काव्यांश (5 बहुविकल्पीय प्रश्न ×1)	1	5	5
ग	क्षितिज-2 काव्य खंड — लघु उत्तरीय (4 में से 3 ×2; 25-30 शब्द)	1	6	6
ग	कृतिका-2 — दीर्घ उत्तरीय (3 में से 2 ×4; 50-60 शब्द)	1	8	8
घ	अनुच्छेद लेखन (3 में से 1; लगभग 120 शब्द)	1	6	6
घ	पत्र लेखन — औपचारिक/अनौपचारिक (2 में से 1; लगभग 100 शब्द)	1	5	5
घ	स्ववृत्त अथवा ई-मेल लेखन (लगभग 80 शब्द)	1	5	5
घ	विज्ञापन अथवा संदेश लेखन (लगभग 40 शब्द)	1	4	4
	योग	**15**		**80**

इकाई-वार अंक भार

इकाई	इकाई का नाम	अध्याय / विषय	अंक
क	अपठित बोध	अपठित गद्यांश (7), अपठित काव्यांश (7)	14
ख	व्यावहारिक व्याकरण	रचना के आधार पर वाक्य भेद (4), वाच्य (4), पद परिचय (4), अलंकार (4)	16
ग	पाठ्यपुस्तक — क्षितिज भाग-2 (गद्य खंड)	नेताजी का चश्मा, बालगोबिन भगत, लखनवी अंदाज़, एक कहानी यह भी, नौबतखाने में इबादत, संस्कृति	11
ग	पाठ्यपुस्तक — क्षितिज भाग-2 (काव्य खंड)	सूरदास के पद, राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद, आत्मकथ्य, उत्साह व अट नहीं रही है, यह दंतुरित मुसकान व फसल, संगतकार	11
ग	पूरक पाठ्यपुस्तक — कृतिका भाग-2	माता का अँचल, साना-साना हाथ जोड़ि, मैं क्यों लिखता हूँ?	8
घ	रचनात्मक लेखन	अनुच्छेद (6), पत्र (5), स्ववृत्त/ई-मेल (5), विज्ञापन/संदेश (4)	20
	योग		**80**

खंड – क

अपठित बोध (14 अंक)

Q1. **[7]**

(i) (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। **[1]**
(ii) (a) कथन I और II सही हैं **[1]**
(iii) (b) I (2) II (3) III (1) **[1]**
(iv) इस दिवस से चाय की खपत और मांग बढ़ाने पर जोर पड़ता है, जिससे चाय के व्यापार से जुड़े करोड़ों लोगों के हितों की रक्षा और जागरूकता सुनिश्चित होती है। (2) चाय के स्थायी उत्पादन और सतत विकास लक्ष्यों को गति मिलती है। **[2]**
(v) (1) चाय की पत्तियाँ एक-एक कर तोड़ी जाती हैं, जिसके लिए अधिक मात्रा में श्रमिकों की आवश्यकता पड़ती है। (2) श्रमिकों को पूरे दिन खड़े रहकर चिलचिलाती धूप या बारिश में काम करना पड़ता है। **[2]**

Q2. **[7]**

(i) (b) कृष्ण कर्ण की **[1]**
(ii) (d) कथन I, III और IV सही हैं। **[1]**
(iii) (b) कर्ण को **[1]**
(iv) (1) कृष्ण अर्जुन और कर्ण दोनों के बल से परिचित हैं। (2) वे मन ही मन कर्ण को अर्जुन से बड़ा वीर मानते आए हैं। **[2]**
(v) कर्ण सारी सेना पर टूट रहा है और पांडवों का पौरुष अशंक होकर लूट रहा है; व्यूह फटते जा रहे हैं और संग्राम उजड़ता जा रहा है। **[2]**

खंड – ख

व्यावहारिक व्याकरण (16 अंक)

Q3. **[4]**

(i) क्रियाविशेषण (कालवाचक) आश्रित उपवाक्य **[1]**
(ii) संज्ञा आश्रित उपवाक्य **[1]**
(iii) आश्रित उपवाक्य – 'जो डुमराँव में मुख्यतः सोन नदी के किनारों पर पाई जाती है'; भेद – विशेषण आश्रित उपवाक्य **[1]**
(iv) आश्रित उपवाक्य – 'जब वह आटे की गोलियाँ मछलियों को खिलाते'; भेद – क्रियाविशेषण (कालवाचक) आश्रित उपवाक्य **[1]**
(v) एक बच्चा रेलवे प्लेटफ़ॉर्म पर बैठा था, जो सहमा हुआ था। **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

Q4. **[4]**

(i) कर्मवाच्य (कर्म 'चश्मा' प्रधान; कर्ता के साथ 'द्वारा'; क्रिया कर्म के अनुसार) **[1]**
(ii) नवाब साहब ने जेब से चाकू निकाला और खीरे छिलने शुरू कर दिए। **[1]**
(iii) राधिका दौड़ नहीं सकी। **[1]**
(iv) चलो, चला जाए। **[1]**
(v) मज़दूरों द्वारा एक साल में यह पुल तैयार किया गया। **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

Q5. **[4]**

(i) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य **[1]**
(ii) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'चल रहीं थीं' क्रिया की विशेषता **[1]**
(iii) विस्मयादिबोधक अव्यय (प्रशंसासूचक) **[1]**
(iv) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य **[1]**
(v) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'घूमता हूँ' क्रिया की विशेषता **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

Q6. **[4]**

(i) रूपक **[1]**
(ii) उपमा **[1]**
(iii) उत्प्रेक्षा **[1]**
(iv) अतिशयोक्ति **[1]**
(v) मानवीकरण **[1]**
(किन्हीं चार के उत्तर पर 1×4=4 अंक)

खंड – ग

पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक (30 अंक)

Q7. **[5]**

(i) (a) सुर की समझ **[1]**
(ii) (c) कौमी एकता और भाईचारा **[1]**
(iii) (b) आनंदकानन **[1]**
(iv) (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या है। **[1]**
(v) (b) कथन I, II और IV सही हैं। **[1]**

Q8. **[6]**

(i) न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत का स्वयं आविष्कार किया, इसलिए वे संस्कृत मानव थे। आज का विद्यार्थी उस सिद्धांत के साथ अनेक बातें जानता है, पर उसने अपनी बुद्धि-विवेक से कोई नया आविष्कार नहीं किया; अतः वह अधिक सभ्य तो है, संस्कृत नहीं। **[2]**
(ii) किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित (प्रत्येक बिंदु 1): (1) धरती की तरह उनकी माँ में भी असीम धैर्य और सहनशक्ति थी। (2) उन्होंने भी धरती की तरह केवल देना ही सीखा था, किसी से कुछ पाने की इच्छा नहीं रखी। (3) अपने शांत स्वभाव के कारण वे सहनशील थीं। (4) पिता की ज़्यादतियाँ और बच्चों की फ़रमाइशें मानती थीं। **[2]**
(iii) उन्होंने पुत्र को पतोहू से मुखाग्नि दिलाकर स्त्री को पुरुष के बराबर स्थान दिया। साथ ही पुत्र की मृत्यु पर पतोहू के भाई को बुलाकर उसकी दूसरी शादी करने का आदेश देकर विधवा-विवाह का समर्थन किया। **[2]**
(iv) संभव है कि खा लेते। नवाब साहब खीरा खाना चाहते थे, पर नवाबी शान और शिष्टता के कारण किसी सफ़ेदपोश के सामने उसे खाने में संकोच कर रहे थे। लेखक के खा लेने पर उनका संकोच टूट सकता था। **[2]**
(किन्हीं तीन के उत्तर पर 2×3=6 अंक)

Q9. **[5]**

(i) (b) ब्राह्मण **[1]**
(ii) (d) ब्राह्मण को मारने पर पाप और हारने पर अपकीर्ति मिलती है, इसलिए आपके पैर ही पड़ना ठीक है **[1]**
(iii) (c) उपमा **[1]**
(iv) (b) क्योंकि वे उन्हें जनेऊ पहने भृगुवंशी ब्राह्मण समझते थे **[1]**
(v) (a) क्रोध सहित **[1]**

Q10. **[6]**

(i) कवि अधिकांश समय घर से दूर रहा, इसलिए अपने शिशु के लिए अपरिचित और अतिथि-सा हो गया। इसीलिए शिशु उसे पहचान नहीं पाता, और कवि स्वयं को चिर प्रवासी, इतर और अन्य कहता है। **[2]**
(ii) गोपियों ने स्वयं को गुड़ से चिपटी चींटियों के समान बताया जो गुड़ को छोड़ती नहीं। उन्होंने स्वयं को हारिल पक्षी और कृष्ण को उसकी लकड़ी बताया। वे मन, कर्म, वचन से कृष्ण को पकड़े हुए हैं और दिन-रात 'कान्ह-कान्ह' रटती हैं। **[2]**
(iii) यह पंक्ति आशा, पुनरुत्थान और अवसर की अनंतता का विश्वास व्यक्त करती है। संगतकार असफलता को अंत नहीं मानता; क्षणिक विफलता स्थायी नहीं है और थकान ठहराव नहीं है। **[2]**
(iv) निराला जी की कविता 'अट नहीं रही है' में फागुन के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन है। फागुन की आभा इतनी व्यापक है कि वह समा नहीं पा रही; डालियाँ नए हरे-लाल पत्तों से लदी हैं, हृदय में सुगंधित पुष्प-माला सी पड़ी है और हर ओर शोभा उमड़ रही है। कवि फागुन के इस अप्रतिम सौंदर्य को देखकर आँख हटा नहीं पाता। **[2]**
(किन्हीं तीन के उत्तर पर 2×3=6 अंक)

Q11. **[8]**

(i) पिता के खिलाने पर भी माँ का मन नहीं भरता था – ममता का आधिक्य। वह बच्चे को भरपेट खिलाने की चिंता में रहती थी। तोता-मैना आदि के नाम पर कौर बनाकर, कहानियाँ-बहलावे से खिलाती थी। माँ चाहती थी कि बच्चा कुछ भी भूखा न रहे। यह माँ के वात्सल्य और पिता के स्नेह के अंतर को दर्शाता है। (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख) **[4]**
(ii) पर्यटकों की भीड़ और वाहनों से प्रदूषण बढ़ रहा है; पहाड़ों पर गंदगी, पॉलीथिन व कचरा फैलने से प्राकृतिक सौंदर्य नष्ट हो रहा है; वनों की कटाई से जलवायु बदल रही है; तापमान बढ़ने से बर्फ कम पड़ रही है और जल-संकट बढ़ रहा है। मनुष्य प्रकृति का संतुलन बिगाड़ रहा है। (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख) **[4]**
(iii) हिरोशिमा में लेखक ने विनाश के चिह्न देखकर गहरी वेदना महसूस की, पर कविता तुरंत नहीं लिख सके; बाद में अनुभूति प्रबल होने पर लिखी। यह घटना सिखाती है कि मनुष्य के बनाए अणु-शस्त्र मानवता का नाश कर सकते हैं; अतः युद्ध और विनाशकारी अस्त्रों से बचकर शांति अपनानी चाहिए। (अनुभव – 2, सबक – 2) **[4]**
(किन्हीं दो के उत्तर पर 4×2=8 अंक)

खंड – घ

रचनात्मक लेखन (20 अंक)

Q12. **[6]**

मुख्य बिंदु : चंद्रयान, डिजिटल भुगतान, आर्थिक व रक्षा क्षेत्र में प्रगति; जी-20 जैसे मंचों पर भारत की भूमिका; नागरिकों के कर्तव्य : नियम-पालन, शिक्षा, स्वच्छता, ईमानदारी। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

OR

मुख्य बिंदु : हेलमेट, सीट-बेल्ट, यातायात-बत्ती, गति-सीमा का पालन; दुर्घटनाएँ, जान-माल की हानि; नियम-पालन से सुरक्षित यात्रा, जाम में कमी; नाबालिग वाहन न चलाएँ। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

OR

मुख्य बिंदु : फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम का बढ़ता चलन; अफ़वाहें, साइबर-बुलिंग, समय की बरबादी; सही उपयोग से ज्ञान व संपर्क लाभ; स्वनियंत्रण। अंक-विभाजन : भूमिका 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1, प्रस्तुति 1।

Q13. **[5]**

प्रारूप : प्रेषक का पता व दिनांक; सेवा में, कार्यकारी अभियंता, लोक निर्माण विभाग; विषय; महोदय; भवदीय व नाम। मुख्य बिंदु : सड़क पर स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से बंद; अंधेरे में वाहन-दुर्घटना व अपराध की आशंका; विद्यार्थियों, महिलाओं व बुज़ुर्गों को आवाजाही में कठिनाई; लाइटें शीघ्र ठीक करवाने व नियमित रखरखाव का अनुरोध। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

OR

प्रारूप : स्थान व दिनांक; प्रिय दादी माँ संबोधन; मुख्य भाग; सप्रेम चरण-स्पर्श व नाम। मुख्य बिंदु : दादी माँ के नुस्खों को संकलित करने का विचार; पुस्तक का नाम व प्रकाशन की तिथि व स्थान; पुस्तक का समाज में उपयोग; दादी माँ को कार्यक्रम में आने का सादर आमंत्रण व परिवार की ओर से प्रसन्नता। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

Q14. **[5]**

प्रारूप : शीर्षक 'स्ववृत्त'; नाम, पता, दूरभाष, ई-मेल, जन्मतिथि; शैक्षणिक योग्यता; अनुभव; कौशल व रुचि; आवेदित पद; संलग्नक; दिनांक व हस्ताक्षर। मुख्य बिंदु : हिन्दी में एम.ए. व बी.एड. की योग्यता; अध्यापन व अन्य अनुभव; हिन्दी साहित्य व विद्यार्थियों को पढ़ाने में रुचि; आवेदित पद (हिन्दी स्नातक शिक्षक) का उल्लेख; संलग्नक व आश्वासन। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

OR

प्रारूप : प्रेषक-ई-मेल, प्राप्तकर्ता-ई-मेल, विषय-पंक्ति, संबोधन, विषय-विवरण, समापन व नाम। मुख्य बिंदु : क्षेत्र में सफ़ाई व्यवस्था की दुर्दशा व कर्मचारियों की अनुपस्थिति; असुविधा व स्वास्थ्य-खतरा; नियमित सफ़ाई व उपस्थिति सुनिश्चित करने का निवेदन; शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा व संपर्क। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 3, भाषा 1।

Q15. **[4]**

प्रारूप : आकर्षक शीर्षक, मुख्य संदेश, विशेषताएँ/लाभ, संपर्क-विवरण या आह्वान-वाक्य, प्रायोजक। मुख्य बिंदु : शीर्षक (जैसे 'सूरज की शक्ति, घर की रोशनी'); सौर ऊर्जा के लाभ (बिजली-बिल की बचत, प्रदूषण-मुक्त); सौर योजनाओं/सब्सिडी की जानकारी; आह्वान-वाक्य; विद्युत मंत्रालय की ओर से। अंक-विभाजन : रचनात्मक प्रस्तुति 1, विषयवस्तु 2, भाषा 1।

OR

प्रारूप : संबोधन, मुख्य संदेश, शुभकामना/बधाई, भेजने वाले का नाम व संबंध। मुख्य बिंदु : काव्य संग्रह के प्रकाशन पर हार्दिक बधाई; उनकी रचनात्मकता व विद्यार्थियों की प्रेरणा का उल्लेख; भविष्य की शुभकामनाएँ; नाम व संबंध। अंक-विभाजन : प्रारूप 1, विषयवस्तु 2, भाषा 1।

*** * * END OF PAPER * * ***